



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

8 भाद्र 1946 (श10)

(सं0 पटना 868) पटना, शुक्रवार, 30 अगस्त 2024

सं० 2/ज०शि०-07-07/2016/सा0प्र0-3000
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प
20 फरवरी 2024

श्री अनिमेष कुमार (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 864/11 जिला परिवहन पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) के पदस्थापन अवधि में बरती गयी अनियमितता के लिए परिवहन विभाग, बिहार, पटना द्वारा गठित आरोप-पत्र प्रपत्र 'क' (साक्ष्य सहित) विभाग को उपलब्ध कराया गया। श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों के लिए संचालित विभागीय कार्यवाही में प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के आधार पर अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा लिए गए निर्णय के आलोक में विभागीय संकल्प ज्ञापांक 2091 दिनांक 14.09.2019 द्वारा "तीन वेतनवृद्धियाँ संचयात्मक प्रभाव से रोकने" का दण्ड संसूचित किया गया।

उक्त दंडादेश के विरुद्ध श्री कुमार द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-24(2) के तहत पुनर्विलोकन अभ्यावेदन दिनांक 23.01.2024 समर्पित किया गया। समर्पित पुनर्विलोकन अभ्यावेदन में श्री कुमार का मूल रूप से कहना है कि संसूचित दंड की प्रति सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 23497 दिनांक 30.12.2022 द्वारा उपलब्ध कराया गया। अस्वस्थता एवं अभिलेख उपलब्ध नहीं रहने के कारण अपील अभ्यावेदन समर्पित नहीं किया, जिसके लिए इन्हें खेद है।

श्री कुमार द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अभ्यावेदन की समीक्षा की गयी। समीक्षा में पाया गया कि श्री कुमार के विरुद्ध विभागीय संकल्प ज्ञापांक 2091 दिनांक 14.02.2019 द्वारा "तीन वेतनवृद्धियाँ संचयात्मक प्रभाव से रोक का दंड" अधिरोपित किया गया, जिसकी प्रतिलिपि इनके तत्कालीन पदस्थापन स्थान "उप सचिव, पर्यटन विभाग" के पते पर प्रेषित की गयी थी। पर्यटन विभाग, बिहार, पटना द्वारा यह अंकित कर पत्र वापस कर दिया कि "सेवा वापस कर दिया गया, विभाग में नहीं है। फलतः विभाग में उपलब्ध एवं संधारित आवासीय पते पर श्री कुमार को पत्राचार करते हुए दंड की प्रति इन्हें उपलब्ध करायी गयी। श्री कुमार को पुनः विभागीय पत्रांक 23497 दिनांक 30.12.2022 द्वारा दंडादेश की प्रति उपलब्ध करायी गयी। साथ ही सभी संबंधितों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु बिहार गजट के असाधारण अंक में अधिरोपित दंड का प्रकाशन दिनांक 18.06.2019 को किया गया। यदि यह मान भी लिया जाय कि श्री कुमार को दंडादेश की प्रति विभागीय पत्रांक 23497 दिनांक 30.12.2022 से प्राप्त हुई है, फिर भी एक वर्ष बीत जाने के बाद इनके द्वारा पुनर्विलोकन अभ्यावेदन समर्पित किया गया है। पुनर्विलोकन अभ्यावेदन में विलंब के लिए ठोस साक्ष्य/पर्याप्त कारण का उल्लेख नहीं किया गया है।

समीक्षोपरान्त विलंब के लिए ठोस साक्ष्य/पर्याप्त कारण संलग्न नहीं रहने तथा अपील हेतु बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील), नियमावली, 2005 के नियम-25 में निर्धारित परिसीमा काल की अवधि के बाद पुनर्विलोकन अभ्यावेदन समर्पित करने के कारण अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री कुमार के पुनर्विलोकन अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया गया।

अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री अनिमेष कुमार (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 864/11, तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अभ्यावेदन को अस्वीकृत किया जाता है।

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शिवमहादेव प्रसाद,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 868-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>